

तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तामील
में जारी हुए

26/7/22

पत्रावली पेश हुआ हुडी वकील पक्षकारान
अस्थित है बहस प्रार्थना पत्र 7.1. एनी
गडी पत्रावली वास्ते आदेश दिनांक 5/8/22
को पेश है।

5.6.22

पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारान उपस्थित है। श्रीमान
पीठासीन अधिकारी महोदय वारे/ अचकारा/ अन्य
राजकार्य में तशरीफ रखते हैं। पत्रावली दि. 12.8.22
को पेश हो

12/8/22

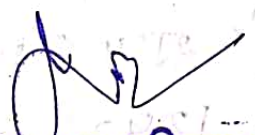
पत्रावली पेश हुआ हुडी वकील पक्षकारान
अस्थित है। बहस प्रार्थना पत्र 7.1.
में वकील पक्षकारान ने अपने प्रार्थना
पत्र एवं जवाब प्रार्थना पत्र में वर्णित
तरहों की दोहराया/ प्रार्थना पत्र की
चरण संख्या 1 व 2 में वर्णित कृषि
भूमियों ग्राम बाघौला की खसरा संख्या
 $\frac{416}{1-02}$, $\frac{1242}{0-12}$, $\frac{2275}{0-15}$, $\frac{398}{0-15}$ कुल
किता 4 कुल रकबा 3 बीघा 04 बिस्वा तथा
ग्राम बाघौला की ही भूमियों खसरा
संख्या $\frac{1327}{0-10}$, $\frac{1330}{9-05}$, $\frac{1349}{1-16}$ कुल किता 3
कुल रकबा 11 बीघा 11 बिस्वा भूमियों पर
प्रार्थी एवं अप्रार्थीगण सह खातेदार दर्ज
रिकार्ड है। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम
1955 के प्रावधानों के अनुसार एवं
राजस्थान प्रभुत्व द्वारा निर्मित प्रकरणों
में अभिनिर्धारित सिद्धान्तों एवं 1964
RRD सेज 88 के अनुसार साधारणतया
एक सह अभिधारी किसी दूसरे सह
अभिधारी के विरुद्ध आदेश प्राप्त नहीं कर



तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर अहकाम हुक्म की में जा
----------------	------------------------------------	--------------------------------------

रसकते हैं अतः प्रकरण प्रथम दृष्टया
 डायरी के पक्ष में साबित नहीं होता है।
 रिकार्ड्स सह खातेदार होने से अप्रुणीय
 क्षति का बिन्दु भी डायरी के पक्ष में
 साबित नहीं होता है। प्रथम दृष्टया मामला
 एवं अप्रुणीय क्षति डायरी के पक्ष में
 नहीं होने से सुविद्या संतुलन भी डायरी
 के पक्ष में नहीं है।

अतः डायरी पत्र, राजस्व रिकार्ड,
 बहस वकील पक्षकारान एवं उक्त विक्रेयन
 के आधार पर डायरी का डायरी पत्र
 अन्तर्गत धारा 212 RA Act अस्वीकार
 किया जाकर खारिज किया जाता
 है। निष्पत्ति खुले न्यायालय में सुनाया
 गया। पत्रावली बाद तत्कालीन मूलवाद
 के साथ संलग्न रहे।


 उपखण्ड अधिकारी
 बैनवा (बून्दी)